सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 203 | जौनपुर, शनिवार, 20 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

यूपी में पहले चरण में 61 प्रतिशत हुआ मतदान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पहले चरण की आठ सीटों पर शुक्रवार को 61 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा। सबसे ज्यादा 68.94 प्रतिशत मतदान सहारनपुर में हुआ, जबकि रामपुर 55.75 प्रतिशत मतदान के साथ सबसे पीछे रहा। वर्ष 2019 के मुकाबले पहले चरण की इन सीटों पर करीब 5.5 फीसदी कम वोट पड़े हैं। अपेक्षाकृत कम मतदान की वजह से नतीजों को लेकर सियासी दलों की धुकधुकी भी बढ़ गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश के पहले चरण में 8 लोक सभा क्षेत्रों सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना सु, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत में शुक्रवार को मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मतदान प्रातः 7 बजे प्रारंभ हुआ और इसके समाप्त होने के समय सायं 6 बजे के बाद भी तमाम मतदेय स्थलों पर लाइनें लगी हुई थीं। देर रात मिले आंकड़ों के अनुसार, मतदान की परीक्षा में सहारनपुर, पीलीभीत, मुरादाबाद और कैराना प्रथम श्रेणी में पास हुए। यहां मतदान का प्रतिशत 60 फीसदी से अधिक रहा। रामपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर और नगीना में 60 फीसदी से कम मतदान हुआ।

आज जारी होगा 10वीं–12वीं का रिजल्ट

लखनऊ, संवाददाता। परिणाम जारी करने में यूपी बोर्ड एक बार फिर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा है। पिछले वर्ष 25 अप्रैल को परिणाम जारी किया गया था। इस बार उससे पांच दिन पहले परिणाम आएगा। शनिवार की दोपहर दो बजे परिणाम इसकी घोषणा होगी। छात्र अपना परीक्षाफल देख सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों से परिणाम जारी करने में यूपी बोर्ड लगातार रिकॉर्ड बना रहा है। सत्र 2022– 23 का परिणाम 25 अप्रैल को आया था। वह परिणाम भी अपने– आप में रिकॉर्ड ही था। लेकिन उस रिकॉर्ड को भी तोड़ने के लिए बोर्ड ने पहले से ही तैयारी कर ली थी। परीक्षा कराने से लेकर कॉपियों के मूल्यांकन में पहले ही रिकार्ड बनाया गया। परीक्षा और मूल्यांकन का काम 12–12 दिन में पूरा करा लिया गया था। निर्धारित अवधि में यह प्रक्रिया कराने के लिए बोर्ड को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। बोर्ड के सचिव दिब्यकांत शुक्ल ने बताया कि नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए कड़ी व्यवस्था की गई थी। प्रत्येक केंद्र की निगरानी क्षेत्रीय कार्यालय और मुख्यालय में बने कंट्रोल रूम से की जा रही थी। किसी स्तर पर लापरवाही मिलने पर वहां तत्काल सुधार किया गया। इसलिए इस बार की परीक्षा बेदाग रही।

सीएम योगी, अखिलेश और मायावती ने की लोगों से मतदान की अपील

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में लोकसभा चुनाव के पहले चरण की आठ सीटों पर मतदान सुबह सात बज से शुरू हो गया है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सपा मुखिया अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख मायावती और कांग्रेस प्रमुख ने मतदाताओं से मतदान करने की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया कि आज लोकतंत्र के महापर्व का प्रथम चरण है। सभी मतदाताओं से मेरी अपील है कि आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए, नए भारत की अविराम विकास यात्रा के लिए मतदान अवश्य करें। आपका एक वोट भारत को और अधिक सशक्त बनाएगा। इसलिए ध्यान रहे। पहले मतदान, फिर जलपान। जय हिंद।अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर अपील करते हुए कहा कि अपने सुनहरे भविष्य के लिए वोट जरूर डालें। बसपा प्रमुख मायावती ने भी अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि देश में हो रहे 18वें लोकसभा में आज पहले चरण की वोटिंग से ही पहले मतदान, फिर जलपान के संकल्प के साथ पूरे होश व जोश के साथ बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेने की सभी वोटरों से अपील, ताकि रोजगार, सुरक्षा, आत्म–सम्मान व स्वाभिमान–युक्त जीवन देने वाली अच्छी सरकार देश में बने।

हमारा सिद्धांत राष्ट्र प्रथम का रहा है- पीएम मोदी

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के दमोह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये भारत को दुनिया की बड़ी ताकत बनाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि जब दुनिया में युद्ध का माहौल हो तो भारत में युद्ध स्तर पर काम करने वाली सरकार बहुत जरूरी है। ऐसे समय में एक मजबूत सरकार होनी चाहिए और यह काम पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि स्थिर सरकार कैसे देश और देशवासियों के हित में काम करती है, ये हमने बीते 10 वर्षों में देखा है। कोरोना का इतना बड़ा संकट आया, पूरी दुनिया में हाहाकार मचा। मजबूत भाजपा सरकार पूरी दुनिया से हर भारतीय को सुरक्षित वापस ले आई। पीएम ने कहा कि आज देश में वो भाजपा सरकार है, जो ना किसी से दबती है और न किसी के सामने

झुकती है। हमारा सिद्धांत है – राष्ट्र प्रथम। भारत को सस्ता तेल मिले, इसलिए हमने देशहित में फैसला लिया। भारत के किसानों को पर्याप्त खाद मिले, इसलिए हमने देशहित में फैसला लिया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के कितने ही देशों की स्थिति बहुत खराब है। कई देश दिवालिया हो रहे हैं। हमारा एक पड़ोसी, जो आतंक का सप्लायर था, वो अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है। उन्होंने कहा कि ये धरती शूरवीरों और योद्धाओं की धरती है। मैं इस धरती के लोगों को इंडिया गठबंधन की सच्चाई बताना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक, कांग्रेस ने भारत के डिफेंस सेक्टर को कमजोर बनाए रखा। ये लोग सेनाओं के लिए हथियार खरीदने में भी अपना स्वार्थ देखते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने देखा कि कैसे इन लोगों ने पूरी ताकत लगा दी कि वायुसेना को राफेल लड़ाकू विमान न मिल पाए। कांग्रेस की सरकार रही होती तो तेजस फाइटर प्लेन भी आसमान की बुलंदियां नहीं देख पाता।

वाइस एडमिरल दिनेश भारतीय नौसेना के नए चीफ नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने एडमिरल दिनेश त्रिपाठी को भारतीय नौसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया है। अपने लगभग 40 साल के विशाल करियर में कई महत्वपूर्ण कार्य करने के बाद त्रिपाठी वर्तमान में नौसेना स्टाफ के उप–प्रमुख हैं और 30 अप्रैल को अपना नया कार्यालय ग्रहण करेंगे। नौसेना स्टाफ के उप–प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, त्रिपाठी ने पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ के रूप में कार्य किया। सैनिक स्कूल रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के पूर्व छात्र, उन्हें 1 जुलाई 1985 को भारतीय नौसेना में नियुक्त किया गया था। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ, त्रिपाठी ने नौसेना के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर सिग्नल संचार अधिकारी और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अधिकारी के रूप में और बाद में गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर आईएनएस मुंबई के कार्यकारी अधिकारी और प्रधान युद्ध अधिकारी के रूप में कार्य किया।

जिसमें मुंबई में पश्चिमी बेड़े के बेड़े संचालन अधिकारी, नौसेना संचालन के निदेशक, नेटवर्क सेंट्रिक संचालन के प्रधान निदेशक और नई दिल्ली में नौसेना योजनाओं के प्रधान निदेशक शामिल हैं। रियर एडमिरल के पद पर पदोन्नति के बाद, उन्होंने नौसेना मुख्यालय में नौसेना स्टाफ (नीति और योजना) के सहायक प्रमुख और पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया।

हम भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अर्थतंत्र बना देंगे - अमित शाह

राजस्थान, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के पाली में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए दावा किया कि एनडीए एक बार फिर से 400 पार करने जा रहा है। उन्होंने भाषण के शुरूआत में कहा कि एयरपोर्ट पर मुझे बताया कि गर्मी का ग्राफ बहुत ऊपर जा रहा है। मैंने एयरपोर्ट ऑफिसर को

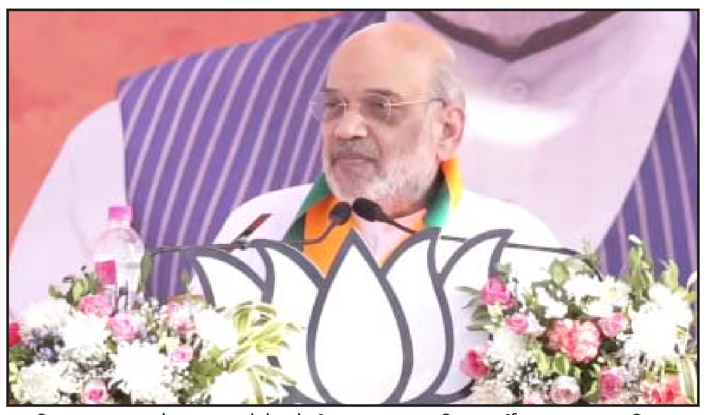

बताया कि गर्मी का ग्राफ जितना ऊपर जाएगा, भाजपा का ग्राफ भी उतना ही ऊपर जाएगा। पहले चरण के मतदान में देशभर में बंपर वोटिंग हो रही है और जो जा रहा है, वो मोदी– मोदी के नारे लगाते हुए बाहर आ रहा है। शाह ने कहा कि देश की जनता ने तय किया है कि इस बार कोई गलती नहीं करनी है। किंतु–परंतु नहीं, श्अबकी बार 400 पारश। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने 300 पार करवाया... हमने– जम्मू–कश्मीर से धारा–370 समाप्त कर दिया। भारत के अर्थतंत्र को पांचवें नंबर का अर्थतंत्र बनाया। वन रैंक–वन पेंशन लागू किया। तीन तलाक को समाप्त कर दिया। राज्य की विधानसभाओं और लोकसभा में महिलाओं का 33: आरक्षण मिला। सीएए लागू किया। अयोध्या में रामलला का भव्य मंघदिर बना। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक रामलला को टेंट में बैठाकर रखा। राम मंदिर के फैसले को लटका कर रखा।

आपका वोट आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा – राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए आज शुक्रवार को 102 संसदीय क्षेत्रों में वोट डाले जा रहे हैं। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है। राहुल गांधी ने मतदाताओं से अपील में कहा, ष्याद रहे, आपका एक–एक वोट भारत के लोकतंत्र और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करने जा रहा है। पहले चरण के मतदान पर की गई अपील में राहुल गांधी ने कहा कि आज पहले चरण का मतदान है। इसलिए बाहर निकलिए और पिछले 10 साल में देश की आत्मा को दिए गए जख्मों पर अपने 'वोट का मरहम' लगाकर लोकतंत्र को मजबूत कीजिए। नफरत को हरा कर खोल दीजिए हर कोने में 'मोहब्बत की दुकान'। इससे पहले राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ताओं के लिए एक वीडियो संदेश भी जारी किया था। अपने संदेश में राहुल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप हमारी पार्टी की रीढ़ की हड्डी हैं। राहुल ने अपने संदेश में कहा था कि ये आम चुनाव नहीं है। ये संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है, जिसमें आप जैसे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस पार्टी की सोच और विचारधारा आपके अंदर है, आपकी रगों में है। 21 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेश की 102 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। इनमें सबसे अधिक सीटें तमिलनाडु से हैं। यहां आज सभी 39 सीटों पर पहले चरण में ही वोटिंग की जा रही है।

पश्चिम से चली लहर सुनामी में बदल जाएगी, राजनीतिक दलों और संगठनों ने दिया समर्थन - ब्रजेश

लखनऊ, संवाददाता। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पहले चरण का चुनाव में वोटिंग के रुझान बता रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से एक बार फिर वापसी करने जा रही है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि भाजपा पहले चरण की सभी आठ सीटों को भारी अंतर से जीत रही है। आज पश्चिम से जो लहर चली है, वह मतदान के अंतिम चरण तक सुनामी में बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारी गठबंधन को जनता जीरो पर आउट करने जा रही है। मोदी ही मैच फिनिशर हैं। सपा बसपा और कांग्रेस चुनाव में पूरी तरह साफ हो चुकी हैं। जनता ने जातिवाद की दीवारें तोड़कर सुरक्षा, सुशासन और विकास को मुद्दा बनाया है। समाज को जाति, मत, मजहब के नाम पर बांटने की विपक्ष की कोशिशों को फेल करने का काम किया है।। पहले चरण के

मतदान से साफ है कि जनता ने देश को कांग्रेस मुक्त और प्रदेश को सपा और बसपा से मुक्त करने के लिए ईवीएम का बटन दबाया है। 2014 और 2019 की तरह फिर से पश्चिम यूपी में कमल का फूल खिलेगा और आने वाले चरणों में भाजपा को जनसमर्थन और भी पुष्ट होता जाएगा। हम सभी 80 सीटों को जीतने में सफल रहेंगे।

हाथ और साइकिल चारों खाने चित रू भूपेंद्र चौधरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रथम चरण के मतदान के रुझान से स्पष्ट है कि हाथ और साइकिल चारों खाने चित हो चुके हैं। शुक्रवार को जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि प्रथम चरण की सभी 8 सीटों पर कमल खिल चुका है। उन्होंने पहले चरण के चुनाव के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर चुनाव आयोग, मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों और मतदाताओं का अभिनंदन करते हुए आभार जताया। उन्होने कहा कि विपक्ष के लोग वोटों का अंकगणित जोड़ रहे हैं। लेकिन भूल गए हैं की पीएम मोदी अंकगणित से नहीं, बल्कि वोटर्स के साथ केमिस्ट्री बनाकर, उनके सुख दुख का ध्यान रखके, उनके हितों में योजनाएं बनाकर एक कनेक्ट बनाते हैं। ये बातें भ्रष्टाचार में लिप्त और परिवारवाद में मग्न लोगों की समझ में नहीं आने आएगी।

केरल की मूल भावना को नष्ट कर रहे यूडीएफ और एलडीएफ – जेपी नड्डा

केरल, एजेंसी। केरल के पलक्कड़ में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि एक तरफ आप यूडीएफ और एलडीएफ पाएंगे, दोनों ने विनाश और विभाजन की राजनीति का प्रचार किया है, और हिंसा और खून का समर्थन किया है। दूसरी ओर, आपके पास भाजपा का नेतृत्व है, जहां हम यह देखने का प्रयास करते हैं कि भगवान का अपना देश केरल विकसित हो और आगे आए। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को आगे आना चाहिए और आत्मनिर्भर बनना चाहिए। नड्डा ने साफ तौर पर कहा कि यूडीएफ और एलडीएफ केरल की मूल भावना को नष्ट कर रहे हैं। दोनों पार्टियां एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों भ्रष्ट और विकास विरोधी पार्टियां हैं जो अक्सर विभाजनकारी नीतियां बनाने में लगी रहती हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में हमने केरल को समृद्ध बनाने का प्रयास किया है। लोकसभा चुनाव में हमारे उम्मीदवार को जिताएं ताकि बीजेपी–एनडीए सरकार अपनी विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ा सके। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 10 साल पहले भारत को नाजुक अर्थव्यवस्था माना जाता था। भारत 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने केरल में सामाजिक, सार्वजनिक और भौतिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए भारी निवेश किया है...हमने केरल में अन्य चीजों के अलावा राजमार्ग, रेलवे और आईआईटी का उद्घाटन किया है। इससे पहले जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार वंशवादी व्यवस्था में विश्वास करते हैं।

सोशल-डिजिटल-फिजिकल माध्यमों से भाजपा कर रही राष्ट्रनिर्माण - अनुराग ठाकुर

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। केंद्रीय सूचना प्रसारण व खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मोदी सरकार का एजेंडा सशक्त–सक्षम–विकसित भारत को बताते हुए सोशल– डिजिटल– फिजिकल माध्यमों से भाजपा द्वारा राष्ट्रनिर्माण की बात कही है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा " आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत उपलब्धियों की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। मोदी सरकार का एजेंडा सशक्त–सक्षम–विकसित भारत है और सोशल –डिजिटल –फिजिकल माध्यमों से भाजपा राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा का संकल्प पत्र केवल एक घोषणापत्र नहीं बल्कि करोड़ों भारतवासियों के सपनों को सिद्ध करने का संकल्प पत्र है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारतीय जानता पार्टी को देश की सेवा करने का अवसर मिला और इस अवसर का पूर्ण उपयोग करते हुए हमने एक 'नए भारत, विकसित भारत' की नींव रखने का कार्य किया है और इसी नींव को आने वाली सदियों के लिए और मजबूत करने के लिए हम तत्पर हैं। हमारा संकल्प है कि हम भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनायेंगे जिसके लिए अगले पाँच निश्चित रूप से साल निर्णायक होंगे। आगे बोलते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा " आज भारत में भाजपा अकेला ऐसा राजनीतिक दल है जिसने जो भी संकल्प लिया उसे सिद्ध भी कर के दिखाया है फिर चाहे वह राम मंदिर हो, आर्टिकल 370 का विषय हो या फिर ट्रिपल तलाक हो। हर वो विषय जिसे केवल चुनावों के लिए राजनीतिक दलों द्वारा इस्तेमाल किया जाता था हमने उसे जनता के आशीर्वाद के साथ पूरा कर के दिखाया है। अगले पाँच वर्षों के संकल्प पत्र का उद्देश्य भी इसी प्रकार भारत के भौतिक से लेकर, सामाजिक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का मजबूत करना है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा "भविष्य के कर्णधारों की पीढ़ी को सशक्त करने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। पिछले 10 वर्षों में भारत में 7 आईआईटी, 16 आईआइआईटी, 7 आईआईएम, 15 एम्स, 315 मेडिकल कॉलेज और 390 विश्विद्यालय की स्थापना की गई है और इसी प्रकार देश में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में वृद्धि करना भाजपा की प्राथमिकता रहेगी।

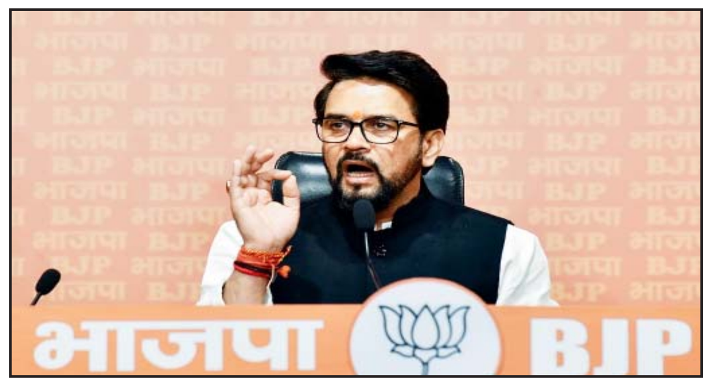

वरिष्ठ नागरिकों को अब आयुष्मान भारत में जोड़ा जाएगा जिससे उन्हें गुणवत्तायुक्त निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ मिल पायेंगी। इन प्रयासों से देश की सामाजिक अवसंरचना और भी मजबूत होगी" अनुराग ठाकुर ने कहा "पिछला दशक भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर के रैपिड डेवलपमेंट का उदाहरण है, यह दशक उदाहरण है कि यदि कुशल नेतृत्व और नेक नीयत हो तो कैसे कम समय में भी बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। इसी दौरान भारतवासियों का परिचय विश्वस्तरीय वन्दे भारत, अमृत भारत और नमो भारत से हुआ है, जैसी तकनीकों का लोग केवल जिक्र सुनते थे, उनका उन्होंने विकास और निर्माण अपनी भूमि पर होते हुए देखा है। केवल 10 वर्षों में भारतवासियों ने ऑपरेशनल हवाई अड्डों की संख्या में दोगुनी वृद्धि देखी है। यह भारत की क्षमता का ट्रेलर है। भाजपा ने इस बार राजमार्ग, रेलवे, वायुमार्ग और जलमार्गों को और आधुनिकीकरण से लेस बनाकर कनेक्टिविटी को और मजबूत करने का संकल्प लिया है जिसे जनता पूरा होते हुए देखना चाहती है। अनुराग ठाकुर ने कहा "आज भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मिसाल पूरे विश्वभर में दी जा रही है। भारत के डिजिटल पेमेंट/यूपीआई मॉडल को बड़े–बड़े राष्ट्र अपना रहे हैं। पूरे विश्व में सबसे अधिक किफायती कधीमतों पर आज भारत में 5जी उपलब्ध है। देशवासियों के जीवन को और सुगम बनाने के लिए पूरे भारत में 5जी और 6जी का विस्तार किया जाएगा भारत नेट के तहत 2 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को अभी तक जोड़ा जा चुका है और अब प्रत्येक ग्राम पंचायत को ब्रॉडबैंड से जोड़कर हाई स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराया जाएगा। कॉमन सर्विस सेंटर, ओएनडीसी और टेली मीडिसिन जैसी फ्यूचरिस्टिक सुविधाओं का विस्तार सभी भारतवासियों के जीवन को और भी सरल बनाएगा"

संपादकीय

राजनयिक छूट का उल्लंघन

पिछले तीन हफ्तों में, लंबे समय से चली आ रही कूटनीतिक प्रथा और अंतरराष्ट्रीय कानून का सिद्धांत – राजनयिक मिशनों की पवित्रता – सवालों के घेरे में आ गई है। सुदूर इक्वाडोर में, मैक्सिकन दूतावास की राजनयिक छूट का उल्लंघन हुआ जब स्थानीय पुलिस ने 5 अप्रैल को स्थानीय राजनेता और इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति, जॉर्ज ग्लास को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर किया, जिन्होंने आरोपों पर आसन्न गिरफ्तारी से बचने के लिए वहां शरण ली थी। भ्रष्टाचार और गबन. स्थानीय राजनीतिक झगड़े और मेक्सिको और इक्वाडोर के बीच घर्षण–प्रवण संबंध इस मुद्दे का आधार हैं। लेकिन जब राजनयिक परिसर की प्रतिरक्षा जैसे मजबूत सिद्धांत का उल्लंघन किया जाता है, तो ऐसे स्थानीय व्याख्यात्मक कारक महत्वहीन हो जाते हैं। आखध्रिकार, यह मेजबान सरकार के साथ अपने क्षेत्र में एक राजनयिक मिशन की पवित्रता का उल्लंघन करते हुए राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन का एक गंभीर उल्लंघन था। मेक्सिको ने तब से इक्वाडोर के साथ राजनयिक संबंध तोड़ दिए हैं और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में शिकायत भी दर्ज कराई है। इक्वाडोर शरण और प्रतिरक्षा विवादों से अछूता नहीं है। कार्यकर्ता और विकीलीक्स के संस्थापक, जूलियन असांजे ने स्वीडिश आपराधिक जांच में गिरफ्तारी से बचने के लिए और संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रत्यर्पित किए जाने के डर से जून 2012 में लंदन में इक्वाडोर के दूतावास में शरण ली थी। इक्वाडोर ने उन्हें अगस्त 2012 में शरण दी और असांजे लगभग सात वर्षों तक दूतावास में रहे। लंबे समय से चला आ रहा यह नाटक 2019 में समाप्त हो गया जब इक्वाडोर सरकार ने असांजे के साथ अपने मतभेदों के कारण उनकी शरण वापस ले ली। उसे गिरफ्तार करने के लिए लंदन पुलिस को दूतावास में आमंत्रित किया गया था। संयोग से, असांजे मूल स्वीडिश मामले के लिए नहीं बल्कि अमेरिका में उनके प्रत्यर्पण के लिए लंबी कानूनी कार्यवाही के कारण ब्रिटिश हिरासत में हैं। विश्व के दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में, राजनयिक छूटों का और भी अधिक नाटकीय ढंग से उल्लंघन किया गया। 1 अप्रैल को, इजरायली विमानों ने सीरिया के दमिश्क में ईरानी दूतावास के एक हिस्से को निशाना बनाया, जिससे कई वरिष्ठ ईरानी सैन्य और खुफिया अधिकारी मारे गए, जो एक बैठक के लिए वहां एकत्र हुए थे। अक्टूबर 2023 में इजराइल के भीतर नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमास के नेतृत्व वाले हमले के बाद से इजराइल और ईरान के बीच संबंध विशेष रूप से खध्राब हो गए हैं। इजराइल की ओर से स्पष्टीकरण – ईरानी दूतावास पर हमले को आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया गया है – यह है कि दमिश्क में दूतावास की इमारत ईरानी खुफिया के लिए आधार और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूहों के साथ संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करती थी। इजराइल और ईरान के बीच छाया युद्ध के हिस्से के रूप में हमलों और जवाबी हमलों के बार–बार होने वाले इतिहास के बावजूद, एक राजनयिक भवन पर एक विमान से हमला असामान्य है। हालाँकि, इक्वाडोर के मामले के विपरीत, हमला किसी तीसरे देश में विदेशी दूतावास पर था। फिर भी, सामान्य तौर पर विदेशी दूतावासों का सम्मान करने की परंपरा अपेक्षाकृत मजबूत रही है। इस नवीनतम घटनाक्रम के बारे में अंतर्राष्ट्रीय आक्रोश की कमी के बावजूद, राजनयिक परिसरों पर हमला आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय मामलों में एक लाल रेखा है। हालाँकि, जब ईरान की बात आती है तो अमेरिका और इजराइल शायद ही कभी किसी विशेष मानदंड का पालन करते हैंय न ही ईरान उनसे मुलाकात करता है। ईरान और अमेरिका के बीच वर्तमान दरार नवंबर 1979 में उभरी जब अमेरिकी दूतावास पर हमला किया गया और उसके राजनयिकों और कर्मियों को बंधक बना लिया गया। यह ईरान क्रांति की चपेट में था। इसके बाद 400 से अधिक दिनों तक ईरान में बंधकों को जबरन बंधक बनाए रखने के दौरान यह दोष रेखा स्पष्ट हो गई। तब से यह न केवल बना हुआ है बल्कि भू–राजनीतिक संघर्ष की एक प्रमुख धुरी बन गया है। इस प्रकार वर्तमान स्थिति का आकलन करते समय 1979 की मिसाल एक पृष्ठभूमि कारक बनी हुई है। एक अलग संदर्भ में, कूटनीतिक प्रतिरक्षा के उल्लंघन को कूटनीति के माध्यम से और बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए सुलझाया गया है। मई 1999 में, पूर्व यूगोस्लाविया पर नाटो की हवाई बमबारी के दौरान, बेलग्रेड में चीनी दूतावास पर एक अमेरिकी विमान द्वारा बमबारी की गई, जिसके परिणामस्वरूप कुछ मौतें हुईं। अमेरिका ने स्पष्ट किया कि यह एक गलती थी और माफी मांगी। कई लोगों का मानना था कि बमबारी जानबूझकर की गई थी और चीन में अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों के साथ–साथ भारी आक्रोश था, जिसमें कुछ अमेरिकी राजनयिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा था। हालाँकि, कूटनीति तेजी से आगे बढ़ी और अमेरिका द्वारा चीन को मुआवजे के रूप में महत्वपूर्ण राशि का भुगतान करने के साथ मामला सुलझ गया। चीनियों ने अमेरिकी संपत्तियों को हुए नुकसान के लिए मुआवजा भी दिया – लेकिन बहुत कम। अनिवार्य रूप से, यह अभी भी चीन–अमेरिका संबंधों में एक हनीमून अवधि थी और दोनों पक्षों ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि उनके बड़े हित एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, इसलिए एक भी घटना के कारण संबंध पटरी से नहीं उतरना चाहिए। अन्य मामलों में, राजनयिक मिशनों पर हमले अनसुलझे रहे हैं और संबंधित देशों के बीच रणनीतिक अविश्वास की आधारशिला का हिस्सा बन गए हैं। इस श्रेणी में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद पाकिस्तान के कराची में भारतीय महावाणिज्यदूत के आवास पर भीड़ का हमला है।

वास्तविक मुद्दे पर ध्यान देना जरूरी

आदित्य

यह असम के डिब्रूगढ़ से अरुणाचल प्रदेश के निचले दिबांग घाटी जिले के रोइंग तक एक लंबी, लेकिन काफी निर्बाध यात्रा है, जहां आज एक साथ विधानसभा और लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं। शांतिपुर में अंतरराज्यीय चेकगेट वास्तविकता से पहली मुलाकात है बुनियादी ढांचा, या इसकी कमी, और म्यांमार की सीमा से लगे राज्य के पूर्वी क्षेत्र में नौगम्य मार्गों की लगभग पूर्ण अनुपस्थिति। चुनावी आंकड़ों से इसकी तुलना करें। मुख्यमंत्री पेमा खांडू की कुल संपत्ति 277.89 करोड़ रुपये है, जो 2019 और 2024 के बीच 145.8 करोड़ रुपये की वृद्धि है। 60 सदस्यीय विधानसभा में, पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी के 10 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के अनुसार, 143 उम्मीदवारों में से 115 या 81: प्रतियोगी करोड़पति हैं। फिर भी, राज्य बेरोजगारी, सड़कों और पीने के पानी की कमी, खराब साक्षरता (चार उम्मीदवार अनपढ़ करोड़पति हैं) और महिलाओं के नगण्य प्रतिनिधित्व से भरा हुआ है। गण सुरक्षा पार्टी की टोको शीतल दो लोकसभा सीटों, अरुणाचल पूर्व और अरुणाचल पश्चिम के 14 प्रतियोगियों में से एकमात्र महिला हैं। शेष 50 विधानसभा सीटों के लिए केवल आठ महिलाओं ने नामांकन दाखिल किया। इस प्रकार 26 वर्षीय बेथेम मरई से बात करना दोगुना आश्वस्त करने वाला है, जो अपने कम्मन मिशमी समुदाय से पहली स्नातकोत्तर है। वह आज अपने जीवन में पहली बार मतदान करेंगी। वह बताती हैं, श्पिछले चुनावों के दौरान, हालांकि मैं एक मतदाता थी, मैं कोयंबटूर स्थित कॉलेज में थी। बेथम लोहित जिले से हैं, लेकिन रोइंग में सामाजिक कार्यकर्ता आर.के. द्वारा संचालित एनजीओ अम्या में स्थिरता शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। पॉल चावांग. बेथेम का कहना है कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में शायद ही कोई प्रचार हो रहा है, यहां तक कि उन मुद्दों के लिए भी जो युवाओं से

संबंधित हैं। "हर कोई सरकारी नौकरी चाहता है। यहां सरकारी दफ्तर में चपरासी के पद को उद्यमी होने से ज्यादा महत्व दिया जाता है। बहुत से युवा नौकरी की तलाश में या अपनी क्षमता तलाशने के लिए राज्य छोड़ देते हैं और कुछ समय बाद निराश होकर घर लौट आते हैं। राज्य सरकार को और अधिक अवसर प्रदान करने चाहिए। पॉल के अनुसार, अम्या ने फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, डिजिटल मीडिया और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके युवाओं के लिए आजीविका कमाने के रास्ते तलाशने के लिए कलकत्ता के प्रयासम और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा, प्रयासम द्वारा आयोजित कार्यशाला में युवाओं को वृत्तचित्रों और रीलों के माध्यम से दुनिया को अपनी कहानियां बताने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह परियोजना आठ जिलों – लोअर दिबांग, दिबांग वैली, नामसाई, चांगलांग, लोहित, पूर्वी सियांग, लोअर सुबनसिरी और पापुम पारे को कवर करेगी। बेथेम ने कहा कि प्रयासम उन्हें यह दिखाने वाला पहला व्यक्ति था कि ष्कैसे युवा, जो आम तौर पर अन्य विकल्पों को आजमाने के लिए अनिच्छुक होते हैं, नौकरियां पैदा करने में सहायक हो सकते हैं, खासकर हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए। एक अन्य सदस्य, प्रताप चकमा ने अपने समुदाय के अभाव के बारे में बात की। "अरुणाचल प्रदेश में चकमा आबादी 70,000 है, लेकिन हममें से केवल 7,000 के पास ही मतदान का अधिकार है। जन्म प्रमाण पत्र जैसी बुनियादी चीज पाने के लिए, हमें सर्कल कार्यालय तक एक घंटे की यात्रा करनी पड़ती है और फिर हमें कई बार वापस लौटना पड़ता है। इन गैर सरकारी संगठनों द्वारा शुरू किए गए सामुदायिक युवा हब के एक उत्साही भागीदार, वह आज अपने जीवन में दूसरी बार मतदान करेंगे। आश्चर्य की बात नहीं है कि बुनियादी ढांचे और सीमा क्षेत्र का विकास प्रमुख चुनावी मुद्दे हैं, यह बात प्रयासम के सप्तर्षि रे और प्रशांत रॉय को भी पता चली, जिन्होंने इन युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए रोइंग का दौरा किया था। "यहां पर्यटन की बहुत संभावनाएं हैं। लेकिन जब तक सड़क और पानी की आपूर्ति जैसी बुनियादी आवश्य कताओं पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, अरुणाचल पर्यटकों को कैसे आकर्षित करेगा?" उन्हें आश्चर्य हुआ. हाशिये पर पड़े समुदायों और अत्यधिक गरीबी वाले राज्य में, करोड़पति होना एक कलंक होना चाहिए। क्या अब समय नहीं आ गया है कि नवनिर्वाचित नेता बेशर्मी से अपनी जेब भरने के बजाय कल्याणकारी योजनाएं सुनिश्चित करें?

जनसांख्यिकीय लाभांश भारत की गिग अर्थव्यवस्था से दूर

विनोद

पिछले दशक में गिग या प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था के तेजी से विस्तार ने भारत की युवा आबादी के लिए बढ़ते अवसर प्रदान किए हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अर्थव्यवस्था के इस क्षेत्र में कार्यबल में सबसे तेज वृद्धि देखी गई है – 2011–12 में 2.5 मिलियन से चालू वित्त वर्ष में लगभग 13 मिलियन तक, और दशक के अंत तक 23 मिलियन तक बढ़ने का अनुमान है, के अनुसार। नीति आयोग का अनुमान. भारत के युवाओं के लिए ऐसे अवसर खुलने से, यह उम्मीदें बढ़ गई हैं कि देश आखिरकार उस चरण पर पहुंच गया है जहां से जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त किया जा सकता है। हालाँकि, यह बताया जा सकता है कि जनसांख्यिकीय लाभांश की प्राप्ति गंभीर रूप से उन परिस्थितियों में उत्पादकता बढ़ाने की कार्यबल की क्षमता पर निर्भर करती है जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ष्सभ्य कार्यष कहता है। इसका तात्पर्य यह है कि भारत के युवा कार्यबल की प्रगति के लिए, उनकी कार्य स्थितियों की जांच करना आवश्यक है ताकि उचित नीतिगत हस्तक्षेप तैयार किया जा सके। पिछले दो वर्षों में, नीति आयोग और नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने लगातार बढ़ती प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था पर समान दृष्टिकोण प्रदान किया है, हालांकि उन्होंने दो अलग–अलग पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया है। नीति आयोग की रिपोर्ट, श्इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमीश, और एनसीएईआर रिपोर्ट, श्फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म वर्कर्स का सामाजिक –आर्थिक प्रभाव आकलनश, समान संदेश देती है। एक, यह पुष्टि करता है कि गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था भारत के युवाओं के लिए अवसर पैदा करती है और जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने का आधार है। दो, अनौपचारिक कार्यबल को औपचारिक बनाने की दिशा में एक कदम है, और इसलिए यह सामाजिक सुरक्षा के लिए एक उपकरण के रूप में कार्य करता है। यह आश्चर्य की बात है कि कैसे ये रिपोर्टें अपने काम की अनिश्चित प्रकृति पर चर्चा को दरकिनार करते हुए इतनी प्रसन्न छवि पेश कर सकती हैं। ऐप–आधारित श्रमिकों की कामकाजी और रहने की स्थिति की वास्तविकता हाल ही में पीपुल्स एसोसिएशन इन ग्रासरूट्स एक्शन एंड मूवमेंट, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप–आधारित ट्रांसपोर्ट वर्कर्स की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह रिपोर्ट श्रमिकों के इस वर्ग को समझने में एक महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि यह आठ शहरों में 5,000 से अधिक ड्राइवरों और डिलीवरी व्यक्तियों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित है। इससे पता चलता है कि इन श्रमिकों की कामकाजी स्थितियाँ ष्सभ्य कामष के मानदंडों के अनुरूप नहीं हैं, जिसके बारे में आईएलओ का कहना है कि ष्ऐसे काम के अवसर शामिल हैं जो उत्पादक हैं और उचित आय, कार्यस्थल में सुरक्षा और सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा, बेहतर संभावनाएं प्रदान करते हैं।ष व्यक्तिगत विकास और सामाजिक एकीकरण", अन्य बातों के अलावा। उनकी कामकाजी स्थितियाँ ILO मानदंडों से कैसे भिन्न हैं और इसके क्या निहितार्थ हैं? यह सामान्य ज्ञान है कि ऐप–आधारित ड्राइवरों के काम के घंटे अत्यधिक लंबे होते हैं, लेकिन यह नवीनतम रिपोर्ट उनके कार्य दिवस की लंबाई का आकलन प्रदान करती है। 83 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने प्रतिदिन 10 घंटे से अधिक काम किया, और लगभग 60 प्रतिशत ने 12 घंटे से अधिक समय तक काम किया। कम से कम 31 प्रतिशत ड्राइवरों ने बताया कि उनका औसत कार्य दिवस 14 घंटे से अधिक था। इसलिए ऐप–आधारित श्रमिकों के भारी बहुमत का कार्य दिवस प्स्व कन्वेंशन ऑन आवर्स ऑफ वर्क (उद्योग) कन्वेंशन का उल्लंघन करता है, जो संगठन के शुरुआती मानदंडों में से एक है। यह काम के घंटों का एक सामान्य मानक निर्धारित करता है जिसके प्रति सप्ताह 48 घंटे से अधिक होने की उम्मीद नहीं है, प्रति दिन अधिकतम आठ घंटे। भारतीय संदर्भ में, फैक्टरी अधिनियम एक मानदंड प्रदान करता है – यह इंगित करता है कि एक कार्य दिवस नौ घंटे से अधिक नहीं हो सकता है। लंबाई निर्धारित करने का तर्क काम और आराम के बीच एक उचित संतुलन ढूंढना था जिसे लंबे समय से उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए एक अनिवार्य शर्त माना जाता है।

यह अनुभवजन्य रूप से सिद्ध है कि जब आय बढ़ती है तो काम के घंटे कम हो जाते हैं और लोग अधिक अवकाश सहित अपनी पसंदीदा चीजों का अधिक खर्च उठा सकते हैं। वास्तव में, अधिक उत्पादक अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक उत्तरोत्तर कम काम कर रहे हैं। इसके विपरीत, कम उत्पादक गरीब अर्थव्यवस्थाओं में श्रमिकों को अधिक कमाने और कम उत्पादकता की भरपाई के लिए लंबे समय तक काम करते देखा गया है। PAIGAM, UPenn और IFAT रिपोर्ट के मद्देनजर भारत के लिए काम के घंटों और उत्पादकता के बीच संबंध अधिक महत्वपूर्ण है, जिससे पता चलता है कि 78 प्रतिशत उत्तरदाताओं की उम्र 21 से 40 वर्ष के बीच थी। इस प्रकार, अत्यधिक लंबे कार्य दिवसों का इस व्यवसाय में शामिल युवा श्रमिकों की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने की संभावनाएं काफी कम हो जाती हैं। इसके अलावा, ऐप–आधारित ड्राइवरों के रूप में लगे युवाओं की बड़ी हिस्सेदारी यह भी संकेत हो सकती है कि इस पेशे में, अधिक उम्र के लोग आम तौर पर अत्यधिक कार्यभार नहीं उठा सकते हैं। दूसरे शब्दों में, इन ड्राइवरों के लिए कामकाजी उम्र आम तौर पर मानी जाने वाली 64 वर्ष की बजाय प्रभावी रूप से 40 वर्ष पर समाप्त होती है। लगभग 70 प्रतिशत ड्राइवरों की रिपोर्ट है कि उनकी कमाई उनके खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है, इसलिए उनकी कामकाजी परिस्थितियों को सबसे अच्छी तरह से अनिश्चित कहा जा सकता है।

पूर्वोत्तर में आप्रवासन का मुद्दा कितना संवेदनशील

आसिफ

मार्च में भारत–बांग्लादेश सीमा के पास इचामाती शहर में दो गैर–आदिवासी निवासियों की हिंसक मौतें इस बात की याद दिलाती हैं कि पूर्वोत्तर में आप्रवासन का मुद्दा कितना संवेदनशील है। ये मौतें खासी छात्र संघ द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ आयोजित एक रैली के बाद हुईं। दो पीड़ितों, ईशान सिंह और सुजी दत्ता को रैली समाप्त होने के कुछ ही समय बाद स्पष्ट रूप से पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। इस आयोजन को यह भी याद दिलाना चाहिए कि यहां की चिंताएं हमेशा देश के बाकी हिस्सों की चिंताओं के अनुरूप नहीं होती हैं – इसलिए एक आकार–सभी के लिए उपयुक्त नीतियां उलटा असर डाल सकती हैं। सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा 2019 के संसदीय चुनाव से पहले सीएए को जोरदार तरीके से आगे बढ़ाया गया था और पार्टी के शानदार जनादेश के साथ सत्ता में लौटने के कुछ ही महीनों बाद, उस साल दिसंबर में संसद द्वारा पारित किया गया था। अब एक और चुनाव की पूर्व संध्या पर, सीएए को 11 मार्च से लागू करने के लिए अधिसूचित किया गया है। उम्मीद है कि इस कदम का देश के विभिन्न हिस्सों में जश्न के साथ–साथ विरोध प्रदर्शन भी किया जा रहा है। यह जोड़ना होगा कि, पिछली बार के विपरीत, अधिनियम का विरोध करने वालों में इस्तीफे की भावना है और उनका विरोध कम है। इसके समय के साथ–साथ पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों को देखते हुए, यह तीव्र और भावनात्मक विभाजन सत्तारूढ़ दल को अपने वोट आधार को मजबूत करने में लाभ पहुंचाने के लिए किया गया लगता है। सीएए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई प्रवासियों के लिए भारतीय नागरिकता का मार्ग तेज और आसान बनाने के लिए नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन करता है, लेकिन मुस्लिम प्रवासियों का कोई उल्लेख नहीं करता है। यह अधिनियम 31 दिसंबर, 2014 से पहले देश में प्रवेश करने वाले निर्दिष्ट श्रेणियों से संबंधित प्रवासियों के लिए नागरिकता अधिनियम के तहत 11 साल की निवास आवश्यकता को घटाकर पांच साल कर देता है। जबकि उन प्रवासियों के बीच जश्न मनाना स्वाभाविक है जिनकी राज्यविहीनता का शीघ्र और सम्मानजनक समाधान का वादा किया गया है, लेकिन इस पर आपत्ति कहीं अधिक जटिल है। उदाहरण के लिए, यदि भारत में कहीं और सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से मुस्लिम प्रवासियों के खिलाफ कथित भेदभाव के बारे में है, जिससे भारतीय नागरिकता को धार्मिक राष्ट्रवाद का रंग दिया जा रहा है, तो यह पूर्वोत्तर, विशेष रूप से असम और उन राज्यों के बारे में नहीं कहा जा सकता है जो कभी इसका हिस्सा थे। यह। मेघालय उनमें से एक है. यहां के लोग कम भेदभाव वाले हैं और चाहते हैं कि धर्म की परवाह किए बिना सभी आप्रवासियों को बाहर निकाला जाए। पूर्वोत्तर में प्रवासियों की आमद को लेकर नाराजगी आम है। लोकप्रिय व्याख्या यह है कि यहां के जातीय समुदाय, कुछ को छोड़कर, जनसांख्यिकी रूप से छोटे हैं और संख्या में कहीं बेहतर समुदायों की आमद के कारण हाशिये पर धकेले जाने का खतरा है। आजादी से पहले और बाद के महत्वपूर्ण वर्षों में सिविल सेवक नारी रुस्तमजी की तुलना में किसी ने इस दुर्दशा के प्रति अधिक सहानुभूति व्यक्त की है। अपने इंपीरियल फ्रंटियसरू इंडियाज नॉर्थ–ईस्टर्न बॉर्डरलैंड्स में, विकास और जनसंख्या आंदोलनों की अनिवार्यता और सार्वभौमिकता को स्वीकार करते हुए, उन्होंने अनुरोध किया है कि इन परिवर्तनों को विनियमित किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये छोटे समुदाय अपने स्वयं के सामाजिक नुकसान के बिना परिवर्तनों को अवशोषित करने में सक्षम हैं। जीव. जब ऐसा नहीं है, रुस्तमजी ने सही भविष्यवाणी की है, तो इसका परिणाम सामाजिक घर्षण होगा। असम में यह आशंका सबसे गहरी और जटिल है. हालाँकि यह जल–तंग खंडों में नहीं है, फिर भी राज्य आज भौगोलिक और भाषाई रूप से ब्रह्मपुत्र और बराक घाटियों के बीच विभाजित है। पूर्व में असमिया भाषी आम तौर पर सीएए का विरोध करते हैं, जबकि बाद में बंगाली हिंदू इसका स्वागत करते हैं। 1985 में असम समझौते पर हस्ताक्षर के साथ समाप्त हुआ छह साल का विदेशी विरोधी आंदोलन इस घर्षण का चरम बिंदु था। अन्य दुखद क्षण भी रहे हैं। भारतीय स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर सिलहट जनमत संग्रह एक है। जब इस क्षेत्र में पूर्वी पाकिस्तान की रूपरेखा तय करने के लिए रेडक्लिफ रेखा खींची जा रही थीं

डीएमआरसी की कानूनी जीत, बाबुओं के लिए गंभीर क्षण

ललित

एक दशक से अधिक पुराने मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के निर्देश को पलटकर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) को एक बड़ी जीत सौंपी है। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने डीएमआरसी को अनिल अंबानी की कंपनी, दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लिमिटेड (डीएएमइ ंपीएल) को 8,000 करोड़ रुपये का मध्यस्थता पुरस्कार देने का आदेश दिया था। अदालत का पलटवार ष्न्याय की भारी गड़बड़ीष का हवाला देते हुए, मध्यस्थ प्रक्रिया का एक गंभीर अभियोग है। नतीजतन, दिल्ली उच्च न्यायालय में निष्पादन की कार्यवाही रोक दी गई और डीएमआरसी को अत्यधिक भुगतान करने के दायित्व से मुक्त कर दिया गया। इसके अलावा, अदालत ने दोनों पक्षों को फैसले से पहले की स्थिति में बहाल करने के उद्देश्य से डीएमआरसी द्वारा पहले ही जमा की गई राशि वापस करने का निर्देश दिया। यह कानूनी

विवाद 2008 के एक रियायत समझौते से उत्पन्न हुआ, जो दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के निर्माण, संचालन और रखरखाव को नियंत्रित करता था। तनाव तब बढ़ गया जब DAMEPL ने 2012 में DMRC द्वारा अनसुलझे संरचनात्मक दोष का दावा करते हुए अनुबंध समाप्त कर दिया। आगामी कानूनी लड़ाई में, क।डम्च्स- ने 2017 में जीत हासिल की, जिससे क्डत्ब् को अनिल अंबानी की कंपनी को 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की अत्यधिक देनदारी का भुगतान करना पड़ा। अब, वह मामला बंद हो गया है। लेकिन यह फैसला हमारे लिए विचार करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू को रेखांकित करता है – सरकारी संस्थाओं और निजी फर्मों से जुड़े मध्यस्थता विवादों में निहित अप्रत्याशितता और जटिलता। 12 साल तक खिंचा यह मामला यह भी दर्शाता है कि भारत में न्यायिक प्रक्रियाएँ कितनी धीमी और टेढ़ी–मेढ़ी हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अपने मामले को प्रभावी ढंग से और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करने में सरकारी बाबुओं की जवाबदेही और पारदर्शिता पर गंभीर चिंतन को प्रेरित करता है, खासकर सार्वजनिक हित और महत्वपूर्ण वित्तीय निहितार्थों के मामलों में। वन अधिकारियों ने सहकर्मी की मौत की जांच की मांग की मेघालय में हाल ही में एक सहकर्मी की आत्महत्या से भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) के अधिकारी काफी परेशान हैं। मुख्य वन संरक्षक एन. लुइखम ने हाल ही में अपने आधिकारिक आवास में फांसी लगाकर दुखद रूप से अपनी जान ले ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने IFoS एसोसिएशन की केंद्रीय इकाई से लुइखम की मृत्यु की परिस्थितियों की गहन जांच और उनके निर्णय में योगदान देने वाले लोगों के लिए जवाबदेही की मांग को जन्म दिया है। सूत्रों ने डीकेबी को सूचित किया कि एसोसिएशन के महासचिव सुनीश बक्सी ने मेघालय के मुख्य सचिव डोनलैंड फिलिप्स वाहलांग को पत्र लिखकर दावा किया है कि लुइखम पर पिछले महीने एक कनिष्ठ सहकर्मी ने यौन उत्पीड़न का झूठा आरोप लगाया था और इन वजहों से वह तनाव और मानसिक आघात में था। आरोप. कथित तौर पर श्री बक्सी ने इन आरोपों के लिए एक शक्तिशाली खनन लॉबी के दबाव को जिम्मेदार ठहराया, जिसके खिलाफ लुइखम ने रुख अपनाया था। जांच में अधिकारी के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिलने के बावजूद, उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया गया था। अधिकारी की मृत्यु के दुष्परिणामों को संपूर्ण ष्थ्वै समुदाय ने गहराई से महसूस किया है, जो देश भर में अधिकारियों के मनोबल के लिए एक आघात के रूप में प्रतिध्वनित होता है। एसोसिएशन ने लुइखम की आत्महत्या की सीबीआई जांच की मांग की है। अधिकारी के पूर्व सहकर्मी इस त्रासदी को जन्म देने वाली परिस्थितियों को कायम रखने में भूमिका निभाने वाले किसी भी व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई पर जोर देते हैं। चुनाव आयोग ने प्रमुख आईपीएस पदों को भरने के लिए गुजरात सरकार पर दबाव डाला भारतीय चुनाव आयोग (म्ब्) ने गुजरात सरकार पर गाज गिरा दी है. 26 लोकसभा सीटों और पांच विधानसभा सीटों के लिए नामांकन जारी होने के साथ, चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को राज्य में रिक्त पदों को भरने के लिए तुरंत आईपीएस अधिकारियों की एक सूची सौंपने का निर्देश दिया है। यह कदम आदर्श आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर उठाया गया है, जिसके तहत राज्य सरकारों को कोई भी नियुक्ति या पदोन्नति करने से पहले चुनाव आयोग की मंजूरी लेनी होगी। ऐसे उपायों का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया पर किसी भी अनुचित प्रभाव को रोकना है। सूरत पुलिस आयुक्त और तीन रेंज महानिरीक्षकों के साथ–साथ खेड़ा और मेहसाणा के पुलिस अधीक्षक जैसे प्रमुख पदों पर रिक्ति की स्थिति दो महीने से अधिक समय से बनी हुई है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि देरी के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जैसे पिछले साल चार आईपीएस अधिकारियों का केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाना और पांच अधिकारियों को एक ही लोकसभा क्षेत्र में तीन साल के लिए विस्तारित पोस्टिंग के कारण चुनाव आयोग द्वारा अवकाश रिजर्व पर रखा जाना। बेशक, देरी का एक अन्य कारक, जिसका स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, वह यह है कि गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्तियाँ प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) से हरी झंडी के बाद ही की जाती हैं। लेकिन अब चुनाव आयोग के नेतृत्व में नियुक्तियों को तेजी से लागू किया जाएगा।

मतदान के दिन अपने परिवार सहित बूथों पर जाकर मतदान जरूर करें - जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने चुनाव का पर्व देश का पर्व के नारे से युवा उद्यमियों ने दिया मतदान करने का का संदेश

जनपदवासी निर्भीक होकर मतदान करें – पुलिस अधीक्षक

अधिक से अधिक मतदान कर वोटिंग प्रतिशत शीर्ष पर लेकर आएं – मुख्य विकास अधिकारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत आज रसखान प्रेक्षागृह में कॉन्सेप्ट कार्स के सौजन्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव का पर्व देश का पर्व है और जैसे हम अपना जन्मदिन व सालगिरह याद रखते हैं वैसे ही 13 मई सोमवार मतदान दिवस को याद रखें। उन्होने कहा कि बूथों को सजाया जा रहा है और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं जैसे छाया व कुर्सी आदि की व्यवस्था की गयी है। दिव्यांग व 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं को सहमति के आधार पर घर पर ही वोटिंग की व्यवस्था की गयी है। जिलाधिकारी ने कंपनी कर्मचारियों से अपील करते हुए का कि मतदान के दिन अपने परिवार सहित बूथों पर जाकर मतदान जरूर करें। इस अवसर पर पहली बार मतदाता बने युवा उद्यमियों को जिलाधिकारी ने माला पहना कर इपिक कार्ड प्रदान कियें।

कॉन्सेप्ट कार के मालिक संजीव अग्रवाल ने कहा कि अपने कंपनी के कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कि मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान अवश्य करें और 13 मई 2024 को मतदान के उपरान्त जिन कर्मचारियों ने वोट डाला होगा और उनके उंगली में स्याही का निशान होगा उन्हें एक दिन का वेतन अतिरिक्त दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी युवा उद्यमियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी। पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि सभी मतदाता निर्भीक होकर मतदान करें। सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गयी है। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने कहा कि सभी लोग 13 मई को अपने लोकतान्त्रिक दायित्वों को निभाएं और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। युवा उद्यमी मतदान का सन्देश जन जन तक पहुँचाएं। हरदोई को वोटिंग प्रतिशत में शीर्ष पर लेकर आएं। उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी क्यू आर कोड की जानकारी देते हुए वोटर हेल्पलाइन, सी विजिल और केवाईसी ऐप के बारे में विस्तार से बताया। युवा, दिव्यांग व महिला मतदाताओं को समर्पित बूथ बनाये गए हैं। सभी बूथों को आदर्श बूथ बनाया जा रहा है। उपनिदेशक कृषि डॉ नंदकिशोर ने कहा कि 13 मई को सभी मतदाता वोट डालने जरूर जाएं।

युवा उद्यमी मतदाताओं को जागरूक करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कॉन्सेप्ट कार्स के मालिक संजीव अग्रवाल ने मतदाता जागरूकता के सम्बन्ध में अपने विचार रखे। उन्होंने घोषणा कि कॉन्सेप्ट कार का कोई भी कर्मचारी जो 13 मई के बाद अपनी ऊँगली पर चिन्ह दिखायेगा उसे एक दिन का वेतन इसेंटिव के रूप में दिया जायेगा। सभी उद्यमियों को मतदाता जागरूकता पोस्टर व पम्पलेट वितरित किये गए। जिलाधिकारी ने प्रेक्षागृह के कार्यक्रम के उपरांत युवा उद्यमियों की मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो शहर के विभिन्न मार्गो से होकर गुजरी। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग दुर्गेश कुमार, उपायुक्त जीएसटी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

बीजेपी सरकार जांच एजेंसियों का कर रही दुरूपयोग - खरवार

केंद्र की मोदी सरकार में विकास कार्य ठप्प रहा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बहुजन समाजवादी पार्टी के मुख्य जोन इंचार्ज अयोध्या, आजमगढ़ वाराणसी मंडल एवं पूर्व सांसद घन्श्यामचंद खरवार ने नगर के एक होटल में पार्टी के कार्यकर्ता बैठक एवं 73 लोकसभा जौनपुर प्रत्याशी श्रीकला धनंजय सिंह के स्वागत एवं अभिनंद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार में विकास कार्य ठप्प रहा। जांच एजेंसियों का दुरूपयोग कर लोगों को डराने का काम किया गया। बेरोजगारी चरम सीमा पर और प्रदेश में कानून का राज स्थापित न होना इस बात को प्रमाणित करता है कि एक बार पुनरू लोग बहुजन समाज पार्टी को आशा की निगाह से देख रहे हैं। ऐसे में केंद्र में बसपा के समर्थन के बिना किसी की सरकार नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हो या फिर कांग्रेस सभी ने केवल वोट तो हासिल किया पर सत्ता हासिल होते ही इन्होंने दलितो का उत्थान करने वाले महापुरूषों के नाम से बने जिलों के नाम को समाप्त करने का काम किया। यही नहीं आरक्षण को समाप्त करने के लिए भी समाजवादी पार्टी ने लोकसभा में बिल को फाड़कर ये बात साबित कर दिया था कि वे आरक्षण विरोधी हैं। अध्यक्षता कर रहे वाराणसी मंडल के प्रभारी रामचंद्र गौतम ने कहा कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार जिस तरह से कानून व्यवस्था में पूरी तरह फेल है आज जेलों में हत्याएं होना आम बात है तो वहीं एकांउटर के नाम पर लोगों को गुमराह करने का काम ये सरकार कर रही है। ऐसे में एक बार फिर लोग बसपा से जुड़ रहे हैं। इससे पूर्व एमएलसी विरेंद्र कुमार चौहान, रामफेर गौतम, अजय कुमार भारती, अमरजीत गौतम, दिनेश टंडन, ओम प्रकाश गौतम, शोभनाथ चौधरी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। बसपा प्रत्याशी श्रीकला धनंजय सिंह ने अपने उदबोधन में कहा कि बसपा सुप्रिमों सुश्री मायावती ने उन्हें प्रत्याशी बनाकर जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे जीत दिलाने का काम यहां की जनता करेगी। जिस तरह से आज मेरे पति पूर्व सांसद धनंजय सिंह को राजनीति के तहत जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया है उसका इंसाफ अब जनता की अदालत में होगा। आज यहां की जनता ने जो समर्थन मुझे दिया है उसपर पूरी तरह खरा उतरते हुए जिले के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दूंगी। इससे पूर्व मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संचालन जिलाध्यक्ष डॉ.संग्राम भारती ने किया। इस मौके पर सैयद तनवीर हसन, सलीम खान, एजाज अहमद इदरीसी, डॉ.अब्बासी, नवीन सिंह, अशोक सिंह, देवेंद्रदत्त तिवारी, आशीष सिंह, हैदर अब्बास, राजू यादव, साजन शर्मा, राणा प्रताप सिंह, अनिल अस्थाना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इस बार इलेक्शन पूरी तरह से पारदर्शिता व साफ सुथरा होगा मुझे प्रशासन पर पूरा भरोसा है -श्रीकला धनंजय सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । लोकसभा 73 सीट से बसपा उम्मीदवार श्री कला धनंजय सिंह लखनऊ से चलकर जौनपुर आने पर जनपद की सीमा सिंगरामऊ बदलापुर बछुआर, सरोखनपुर, आदि जगहों पर चिल्लाती धूप में कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों ने माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। साथ ही श्रीकला ने नगर में आयोजित एक होटल में कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित किया। पत्रकारो से बात करते हुए

श्रीकला धनंजय सिंह ने कहा कि मुझे जनता का पूरा समर्थन मिल रहा है हर जाति धर्म और मजहब के लोग मेरे साथ खड़े हैं आज अपने स्वागत को देखकर मुझे अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है बहन जी ने जो विश्वास मेरे ऊपर किया है हम उसके लिए आभारी हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस बार इलेक्शन पूरी तरह से पारदर्शिता और साफ सुथरा होगा मुझे प्रशासन पर पूरा भरोसा है जो भी ऑफिसर इस काम में लगे हैं निष्पक्ष रूप से चुनाव होगा विगत चुनाव में धनंजय सिंह द्वारा जिला प्रशासन पर भेदभावपूर्ण करने का आरोप लगाया था वह इस बार नहीं होगा बल्कि निष्पक्ष रूप से चुनाव होगा। मेरे पति पिछले 25 वर्षो से जनता की सेवा किया हैं वे निःस्वार्थ भाव से गरीबों मजलूमों का वगैर भेदभाव के कार्य करते रहे है। जिसके कारण मुझे इस चुनाव हर वर्ग समुदाय का आशीर्वाद मिलेगा। श्रीकला ने कहा कि हम रहते हुए जिले का विकास कर रही हूं। चुनाव जीतने पर मेरी पहली प्राथमिकता सड़क बिजली पानी चिकित्सा व जनता की मूलभूत समस्याओं का निदान करना होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष रहते हुए भी मैं बहुत से विकास कार्य किए हैं गांव की खस्ताहाल सड़कों को बनाने

शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, सड़क पानी के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही हूं। यही उद्देश्य मेरे पति धनंजय सिंह और ससुर राजदेव सिंह का रहा है। आज भी मैं पूरे परिवार के साथ गांव में ही रहूती हूं मुझे अच्छी तरह से जनता का दुःख दर्द पता है। हमारे घर के दरवाजे हमेशा जनता के लिए खुले रहते है। श्रीकला ने कहा कि मैं मैजूदा समय में जिला पंचायत की अध्यक्ष हूं मै इस पद का प्रयास किया है जनता मुझे अपना आर्शीवाद देगी जिसका पता चार जून को चुनाव परिणाम के बाद सामने आयेगा। मेरे पति धनंजय सिंह जेल में अंदर है उन्हें फर्जी ढंग से फसाया गया है यह पूरी जनता जानती है अगर वह बाहर होते तो चुनाव का नजारा जरूर बदला होता लेकिन फिर भी उनके कामों को लेकर जनता पूरी तरह उनके साथ है।

सीट बची तो विश्वविद्यालय के अलग–अलग पाठ्यक्रमों में मिलेगा सीधे प्रवेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में संचालित अलग–अलग संख्याओं में संचालित पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय अब बची हुई सीटों में सीधे प्रवेश करने की तैयारी में है। विश्वविद्यालय की तरफ से प्रवेश के लिए पीयू कैट की परीक्षा आयोजित होनी है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सत्र 2024 25 में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय के 10 संकायों में चल रहे अलग–अलग पाठ्यक्रमों के प्रवेश की सूचना जारी कर दी गई है। जल्द ही पीयू कैट की परीक्षा आयोजित कराकर इन सीटों को भरा जाएगा। रिक्त सीटों में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय में सीधे प्रवेश की प्रक्रिया होगी। हालांकि अभी पीयू कैट से पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय पिछले कई वर्षो से प्रवेश की संख्या को देखते हुए इस बार प्रवेश परीक्षा के बाद रिक्त सीटों को भरने के लिए अलग–अलग पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश की प्रक्रिया भी शुरू करेगा। बीटेक में जेईई रैंक के आधार पर प्रवेश लेने के बाद कुछ पाठ्यक्रमों में सीटे रिक्त रह जाती है जिसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से 30 प्रतिशत सीट पीयू कैट से भरने का प्रावधान किया गया है। यदि इसके बाद भी सीट खाली रहती हैं तो इन सीटों पर सीधे दाखिले की प्रक्रिया होगी। इंजीनियरिंग के सभी ब्रांचो में 60–60 सीट निर्धारित हैं। विश्वविद्यालय में इन सीटों के लिए पीयू कैट और जेईई मेंस के द्वारा दाखिला मिलता है। 10 से ज्यादा संकायों में कई पाठ्यक्रमों की सीट खाली रह जाने के लिए विश्वविद्यालय में फैसला किया है इन सीटों को भरने के लिए सीधे दाखिले की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। जिसमें 12वीं की मेरिट के आधार पर दाखिला होगा।इस संबंध में शनिवार को बात करते हुए प्रवेश इंचार्ज डॉ रजनीश भास्कर ने बताया कि रिक्त सीटों को भरने के लिए सीधे प्रवेश की व्यवस्था की जाएगी। लेकिन पहले पीयू कैट और जेईई मेंस के द्वारा आने वाले छात्रों की काउंसलिंग के बाद यह प्रक्रिया शुरू होगी।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 175 बच्चो का हुआ पंजीकरण – डा0 रोहताश

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से संबद्ध संस्थाओं द्वारा निःशुल्क ऑपरेशन व उपचार हेतु पंजीकरण शिविर 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय जनपद हरदोई के प्रांगण में आयोजित हुआ जिसमे स्माइल ट्रेन संस्था के अन्तर्गत सुपर स्पेशलिटी, विनायक कॉस्मेटिक सेंटर तथा अनुष्का फाउंडेशन द्वारा 1. कटे–फटे होंठ एवंम कटे तालू के 2. जन्म से मुड़े हुए पैर वाले बच्चे 3. जन्म से मूक व बधिर बच्चे 5 वर्ष तक के ग्रसित कुल 65 बच्चों का हुआ पंजीकरण हुआ, जिसमे

कटे–फटे होंठ एवंम कटे तालू के 25 इलाज के लिए हॉस्पिटल लखनऊ रेफर किया गया, जन्म से मुड़े हुए पैर वाले बच्चे 13 (क्लब फूट) का प्लास्टर से उपचार कराया गया तथा 16 बच्चो को ब्रेसेस (जूते) उपलब्ध कराया गया,जन्म से मूक व बधिर बच्चे कुल 40 कोकलियर इंप्लांट के लिए उपयुक्त पाए गए। 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय जनपद हरदोई, 20 अप्रैल 2024 राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्माइल ट्रेन संस्था द्वारा जन्म से कटे होंठ एवं तालू वाले बच्चों का निःशुल्क उपचार हेतु 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय जनपद हरदोई में पंजीकरण शिविर लगाया गया द्य लखनऊ के सिप्स अस्पताल द्वारा लगाये गये इस शिविर में इलाज व ऑपरेशन हेतु 49 बच्चों को चयनित किया गया, जिनमें से 25 बच्चों को संस्था के ही बस से लखनऊ रेफर भी कर दिया गया जहाँ उनके रहने खाने की व्यवस्था निःशुल्क की जायेगी शेष बच्चों को भी जल्द ही भेजा जायेगा।

इस मौके पर डॉ0 रोहताश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया है कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आरबीएसके कार्यक्रम के प्रति लोगो में जागरूकता फैलाना तथा गरीब बच्चों व परिजनों को उनके चेहरों पर नयी मुस्कान देना है द्यउन्होंने कहा कि शिविर में इलाज हेतु चयनित बच्चों का ऑपरेशन और सम्पूर्ण इलाज निशुल्क है और बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तमाम गरीब असहाय परिवार और बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा है उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है और बताया कि कार्यक्रम का जनपद में सफल संचालन जिला प्रभारी डीईआईसी मैनेजर मोहम्मद शाहिद द्वारा कराया जा रहा है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ अरविंद मिश्रा ने बताया इसके अलावा डीईआईसी सेंटर्स के माध्यम से बच्चों में जन्मजात दिल का छेद, कम सुनना, अस्थि रोग, पैर का घुमा हुआ होना जैसी करीब 40 प्रकार की जन्मजात बीमारियों का भी निःशुल्क इलाज कराया जा रहा है। डीईआईसी मैनेजर मोहम्मद शाहिद ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 6 सप्ताह से 6 वर्ष के बच्चों का आंगनवाड़ी केन्द्रों पर एवं 6 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों का स्कूलों में मोबाइल हेल्थ टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है,इसके अलावा प्रसव केन्द्रों पर प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा एवं अन्य जन्में बच्चों का गृह भ्रमण के दौरान आशा द्वारा परीक्षण किया जा रहा है। सिप्स अस्पताल प्लास्टिक सर्जन व स्माइल ट्रेन प्रोजेक्ट के डायरेक्टर डा० रितेश पुरवार और उनकी टीम द्वारा बताया गया कि कटे हुए होंठ वाले बच्चों का ऑपरेशन होने के समय उनकी उम्र कम से कम 4 से 6 महीने व वजन 5 किलोग्राम होनी चाहिए, वहीं तालू की समस्या वाले बच्चों की उम्र 9 से 12 महीने व वजन 7 किलोग्राम होनी चाहिए मोहम्मद आमीन खान – प्रोजेक्ट मैनेजर,स्माइल ट्रेन ने बताया है कि यह सुविधा मरीजों के लिए प्रत्येक दिन व निरंतर दिनों के लिए है इस शिविर का उद्देश्य लोगों में जागरूकता फैलाना व गरीब बच्चों व उनके परिजनों को नई मुस्कान देना हमारा उद्देश्य है कि पहले ऑपरेशन करवा चुके व परिणाम से असंतुष्ट मरीज भी निरूशुल्क ऑपरेशन का लाभ उठा सकते हैं। इस मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुजीत सिंह ने अवगत कराया की वित्तीय वर्ष में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी की सराहना की गई तथा प्रशस्ति पत्र दिए गए जिसमे अरविंद शुक्ला डॉ राजेश डीआर धनेश अमित डीआर नलिनी डॉ प्रदीप डॉ ऋचा डॉ अर्चना डॉ मोहसीन अमित सुधांशु स्नेहलता मिथिलेश डॉक्टर करण डॉ विनीत शिवेंद्र अमिताभ डॉक्टर अजितेश अंजू मनमोहन डॉ सरताज डॉ विनोद डॉक्टर सोनिया डॉ सरिता सौरभ भावना डॉक्टर सर्वेश डॉ मनु बलराम गुप्ता डॉ राम लखन गुप्ता सुरुचि गुप्ता वीणा आशीष आदि शामिल रहे, कैंप आरबीएस के टीम के सदस्य तथा सिप्स अस्पताल से मनु श्रीवास्तव, गंगाधार, सज्जन, अकील अनुष्का फाउंडेशन से रजनीकांत शुक्ला और विनायक कॉस्मेटिक से रमेश अवस्थी आदि सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

कैदी ने जेल में फंदा लगाकर आत्महत्या का किया प्रयास, लखनऊ रेफर

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिला कारागार में बंद एक व्यक्ति ने अंगौछे से फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की। इसी दौरान साथी बंदियों और बंदी रक्षकों ने उसे देख लिया तो फंदे से उतारकर उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से हालत गंभीर होने के कारण लखनऊ रेफर कर दिया गया। जेल अधीक्षक सतीश चन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के नूरपुर हथोड़ा निवासी गुड्डू (42) हत्या के आरोप में 31 दिसंबर 2023 से जिला कारागार में बंद था।शनिवार को उसने जेल की गैलरी के लोहे के गेट में अंगौछे से फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की। उसे फौरन ही उतार लिया गया लेकिन उसकी हालत बिगड़ गई। जेल प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उसे जिला अस्पताल भिजवाया जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। जेल अधीक्षक सतीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि घटना की वजह तलाशी जा रही है।

दीवार से टकराकर अपाचे बाइक सवार युवक की मौत

प्रयागराज, संवाददाता। खीरी थाना क्षेत्र के दसौती गांव में तेज रफ्तार बाइक असंतुलित होकर दीवार से टकरा गई। हादसे में संजय कुमार कोल (45) पुत्र रामदास की मौके पर ही मौत हो गई। घटना घर से एक किलोमीटर पहले हुआ। खीरी इलाके के सलैया खुर्द गांव निवासी संजय कुमार अपाचे बाइक से कहीं गया था। लौटते समय बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह दसौती गांव में निशिकांत कुशवाहा के घर के सामने दीवार से टकरा गया। हादसे में संजय की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की जानकारी होने पर परिजन रोते बिलखते पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। संजय के दो बेटों आनंद (15) और नितिन (12) का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। पत्नी शीला देवी और माता नचकइया देवी के आंसू थम नहीं रहे हैं।

टैक्ट्रर की चपेट में आने से युवक की मौत, साथी घायल

कोहड़ारघाट –शाहपुर खुर्द गांव में शुक्रवार को दोपहर एक बजे टैक्ट्रर की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोपहर एक बजे के लगभग सीकी गांव निवासी राधिका प्रसाद (55) पुत्र राम दुलार अपने साथी राजू पुत्र लाल बहादुर के साथ तिलक में जा रहे थे। दोनों जैसे ही शाहपुरखुर्द गांव से कुछ आगे सड़क के मोड़ पर पहुंचे थे कि बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। इसी बीच विपरित दिशा से आ रहे ट्रैक्टर राधिका प्रसाद को कुचलते हुए आगे निकल गया। घटना देख ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर भाग गया। ग्रामीणों ने पहचान होने पर परिवार के लोगों को सूचना दी। पुलिस ने पहुंचकर परिजनों को सांत्वना देने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव (आई.सी.एफ.एफ.-४.४६) का छठा दिन

छः दिनों में लगभग ८० हजार छात्रों ने ली जीवन मूल्यों की सीख

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित किये जा रहे ७–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव (आई.सी.एफ.एफ. –२०२४) का छठें दिन आज लगभग १५,००० से अधिक छात्रों ने शिक्षात्मक बाल फिल्मों से प्रेरणा ली, जबकि बाल फिल्मोत्सव के छः दिनों में लखनऊ व आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों के लगभग ८० हजार छात्रों ने शिक्षात्मक बाल फिल्मों से जीवन मूल्यों की सीख ली। बाल फिल्मोत्सव का छठा दिन भी आज चरित्र निर्माण व जीवन मूल्यों की शिक्षा देने वाली एक से बढ़कर एक बाल फिल्मों से गुलजार रहा तथापि बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु फिल्म जगत की प्रख्यात हस्तियों ने अपनी उपस्थिति से समारोह की गरिमा को बढ़ाया। इससे पहले, दीप प्रज्वलन समारोह के साथ आई.सी.एफ.एफ.–२०२४ का छठें दिन का विधिवत शुभारम्भ हुआ। विदित हो कि सी.एम. एस. के फिल्म्स एवं रेडियो डिवीजन के तत्वावधान में सात–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव का आयोजन १५ से २१ अप्रैल तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है, जिसमें ६१ देशों की ५०० से अधिक शिक्षात्मक बाल फिल्में निःशुल्क प्रदर्शित की जा रही हैं। अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव के छठे दिन आज सी.एम.एस. कानपुर रोड के मेन ऑडिटोरियम के अलावा अन्य सात मिनी आडिटोरियम में भी देश–विदेश की अनेक फिल्मों का प्रदर्शन हुआ, जिनमें द वे यू सी मी, जिम्मेदारी, द पीस गर्ल, द लास्ट विश, सर्कस शो, इम्पासिबल ड्रीम, द जू (चिड़िया खाना), लव एण्ड सनशाइन, अंगुलिमाल, घर किसका है, विद्या, द मिसयूज्ड गिफ्ट, लिटिल एनानिमस मोबाइल फोन यूजर्स, द आर्ट ऑफ फॉरगिवनेस, गेट मी राइट, नो न्यू फ्रेण्डस, द मिसिंग कलर, माटी, इण्डिया द गोल्डन स्पैरो, फिर से स्कूल चलें हम, आसमान की ओर, सडनली वन डे, ए हैप्पी पिज्जा डे, नौकरी या व्यवसाय आदि प्रमुख रही।

बाल फिल्मोत्सव में बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु पधारे फिल्म जगत से जुड़ी हस्तियों ने आज एक प्रेस कान्फ्रेन्स में पत्रकारों से मुलाकात की और बाल फिल्मोत्सव पर अपने विचार व्यक्त किये। फिल्म जगत से जुड़ी हस्तियों ने एक स्वर से कहा कि सी.एम.एस. ही ऐसा विद्यालय है जिसने बच्चों के चरित्र निर्माण के लिए अत्यन्त ही प्रशंसनीय अनूठा तरीका ढूंढ निकाला है। इन फिल्म हस्तियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बाल फिल्मोत्सव निश्चित रूप से मानवता को विकास के पथ पर ले जायेगा। आई.सी.एफ.एफ.–२०२४ के फेस्टिवल डायरेक्टर श्री आर. के. सिंह ने कहा कि इस फिल्म फेस्टिवल को लखनऊ के छात्रों, युवाओं, शिक्षकों व अभिभावकों का अभूतपूर्व समर्थन व अपार सहयोग मिला है जिसके लिए मैं लखनऊ की जनता का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि बाल फिल्मों का यह अनूठा आयोजन अब समापन की ओर अग्रसर हो रहा है और शैक्षिक बाल फिल्मों का यह दौर कल २१ अप्रैल को सम्पन्न हो जायेगा। अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्मोत्सव के समापन अवसर पर कल २१ अप्रैल, रविवार को प्रातः कालीन सत्र में विभिन्न देशों की बेहतरीन बाल फिल्मों को अलग–अलग वर्गों में १० लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा तथापि विभिन्न देशों की बेहतरीन शिक्षात्मक बाल फिल्मों का निःशुल्क प्रदर्शन कल भी जारी रहेगा।

कवि हरीश शर्मा के जन्मदिवस पर हुआ जन जागृति अभियान का भव्य शुभारंभ

सालासर बालाजी मंदिर प्रांगण व हनुमान सेवा समिति प्रांगण से किया गया अभियान का आगाज सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों का वीडियो न बनाकर....उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाकर मानवता का धर्म निभाना होगा – कवि शर्मा

सालासर – बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान व शेखावाटी संकल्प परिवार की ओर से एक अभिनव पहल जन जागृति अभियान का आगाज अभियान के संस्थापक, अध्यक्ष कवि हरीश शर्मा ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर सालासर बालाजी मंदिर प्रांगण में मोहनदास महाराज मंदिर के पुजारी कमल पुजारी, राहुल पुजारी, राजवीर पुजारी, जितेंद्र पुजारी के सानिध्य में किया गया। इसी कड़ी में हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष यशोदानन्दन पुजारी, प्रकाश पुजारी, मनीष पुजारी, इंदरसिंह नोहवाल के सानिध्य में हनुमान सेवा समिति प्रांगण में भी पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सभी ने जन–जागृति अभियान की सराहना करते हुए बालाजी महाराज से सफलता की कामना की। अभियान संयोजक कवि हरीश शर्मा ने बताया कि इस जन–जागृति अभियान का मुख्य उद्देश्य मर रही इंसानियत की अलख को फिर से जगाना होगा.... सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों का वीडियो न बनाकर....उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाकर मानवता का धर्म निभाना होगा।

आज हम प्रगति की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, सोशल मीडिया के पटल पर अपने फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की होड़ में पागल हैं, स्वयं को स्थापित करने की दौड़ में निरन्तर आगे बढ़ने में लगे हुए हैं लेकिन उन फॉलोवर्स की भीड़ में अपने आप को कहीं खोते चले जा रहे हैं। कितनी बार सोशल मीडिया पर वीडियो देख कर मन व्यथित हो जाता है कि कहीं कोई दुर्घटना हो जाती है, कहीं आग लगी है, कहीं किसी बहिन–बेटी की कातिर नजर कोई मसीहा को तलाशती है, हमारे सोशल मीडिया के महान प्रेमी वीडियो बनाकर शान से वीडियो को शेयर करके गर्व का अनुभव करते हैं साथ ही चार गाली सिस्टम को और सरकार को देकर गर्दन ऊंची करके निकल लेते हैं। समझ नहीं आता क्या इन्सानियत इन्सान को छोड़ कर जा चुकी है, लोगों की आत्मा इस कदर मर चुकी है कि लोगों की जान बचाने का प्रयास न करके उनके करुण क्रंदन का वीडियो बनाने लगते हैं।

बेटा पढ़ाओ,संस्कार सिखाओ अभियान के माध्यम से हमारा प्रयास है कि हम लोगों को जागरूक करें कि आपका एक अच्छा कदम किसी की जान बचा सकता है। दुर्घटना में घायल की सहायता करके यदि शीघ्र ही अस्पताल पहुंचाया जाए तो उसके जीवन बचने की उम्मीद अधिक हो जाती है। इसलिए मोबाइल से वीडियो बनाने के बजाय घायल को अस्पताल पहुंचाने में मदद करने में शीघ्रता दिखाएं।

इसके साथ ही सरकार से भी अनुरोध है कि जो लोग दुर्घटना से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए आगे आते हैं उनको सम्मानित करे और पीड़ित लोगों का वीडियो बनाकर हीरो बनने वालों के विरुद्ध कार्यवाही भी की जाए और ऐसे कृत्यों को कानूनन अपराध की श्रेणी में लाया जाए।

इस दिन कवि हरीश शर्मा का जन्मदिन भी था ।टीम के सदस्यों ने केक काटकर हर्षोल्लास से कवि हरीश शर्मा का जन्मदिन भी मनाया । बालाजी प्रांगण में अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा, सह–संयोजक आकाश झुरिया , कोषाध्यक्ष अनमोल सुरेका, सह–सचिव विनीत सोनी, टीम सदस्य मनोज नाहरिया, राहुल सैनी खुड़ी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

राम मंदिर निर्माण का पूर्णकार्य चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने दिसम्बर 2024 तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार अयोध्या निर्माणाधीन राम मंदिर को पूरा करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कर दिया गया है। एलएंडटी, टाटा, राजकीय निर्माण निगम ने कर्मचारी बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। मंदिर निर्माण समिति ने दिसम्बर 2024 तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है। समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने दिसम्बर तक मंदिर का कार्य पूरा होने का दावा किया है।प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम नवमी उत्सव सम्पन्न हो गया है। अब मंदिर निर्माण में शेष कार्यों को किया जा रहा है। भूतल पर लगे खम्भों में मूर्ति नक्काशी के लिए 200 कारीगरों को लगाया गया है। प्रथम तल का कार्य भी लगभग पूरा हो गया है। दिसम्बर से पूर्व राम दरबार को भी गर्भगृह में स्थापित कर दिया जाएगा।

अंतिम सप्ताह तक द्वितीय तल, तृतीय तल और शिखर का निर्माण भी लगभग पूरा हो जाएगा। इसके लिए लगभग 1200 वर्कर लगाए गए हैं। 800 मीटर लंबे परकोटे का भी निर्माण किया जा रहा है, जिसमें परिक्रमा पथ और छह देवी देवताओं के भी मंदिर का निर्माण हो रहा है। 2000 मजदूर लगे हैं। अब इनकी संख्या को बढ़ा कर 5000 किया जाएगा। इसके लिए एलएंडटी और राजकीय निर्माण निगम को निर्देशित किया गया है। परिसर में आठ और मंदिर का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें शेषवतार, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, निषाद राज, अहिल्या देवी का मंदिर प्रस्तावित है, जिसे अगले 18 माह में तैयार किया जाना है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि अब पूरा फोकस निर्माण कार्य पर है।

यूपी बोर्ड में एस0के0डी0 एकेडमी के छात्र छात्राओं ने बिखेरी अपनी प्रतिभा की चमक

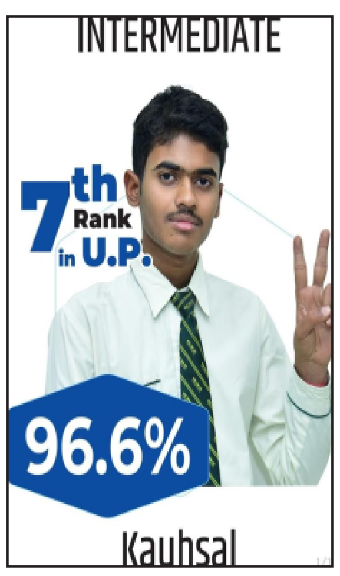

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस.के.डी. एकेडमी यू०पी० बोर्ड 2024 का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी शत–प्रतिशत रहा।

इण्टरमीडिएट परीक्षा में कौशल ने 96.6 प्रतिशत अंको के साथ प्रदेश में 7वां स्थान व जिले में दूसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। हर्षराज सिंह ने 95.6 प्रतिशत तथा पारूल वर्मा ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। विद्यालय के कर्मचारी श्री कृष्ण कुमार शर्मा जो बढ़ई के पद पर कार्यरत हैं उनकी पुत्री अनुष्का शर्मा ने विद्यालय में 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

निशान्त यादव ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में 95.7 प्रतिशत के साथ लखनऊ में 6वां स्थान और विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। मो० फरजान 93.3 प्रतिशत, वैष्णवी

गंगवार 92.7 प्रतिशत तथा युवराज चौरसिया ने 90.7 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

विद्यालय प्रबन्धक श्री एस०के०डी० सिंह जी के कार चालक श्री जग प्रसाद के पुत्र रोहित कुमार ने 82.0 प्रतिशत अंकों के साथ हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की।

इन सभी विद्यार्थियों ने अपने नाम के साथ–साथ अपने माता–पिता व विद्यालय का नाम जनपद में ही नहीं वरन् पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया है। विद्यालय के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने सभी सफल विद्यार्थियों व शिक्षकों को बधाई दी और आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दी। और कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जिस प्रकार हमारे पुराने छात्र विभिन्न क्षेत्रों में देश की सेवा कर रहे है, ये छात्र भी समाज और देशहित में उल्लेखनीय कार्य करेगें।

बच्च्चों ने अपनी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुये स्कूल प्रबंधन, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगणों का आभार व्यक्त किया। बच्चों ने सफलता का श्रेय ईश्वर की कृपा, माता पिता के आशीर्वाद एवं विद्यालय से प्राप्त हुये रेगुलर असाइमेंन्ट व उपयुक्त मार्गदर्शन को दिया। विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक श्री एस.के.डी. सिंह, निदेशक श्री मनीष सिंह, सह निदेशक श्रीमती निशा सिंह, प्रधानाचार्या डॉ० शैली श्रीवास्तव (ई० ब्लॉक, राजाजीपुरम) ने सभी सफल विद्यार्थियों को व उनके माता–पिता को बधाई दी तथा माह जुलाई में सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह आयोजित करने की घोषणा की।

1267 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

जॉब फेयर में मिली नौकरी, खिल उठे चेहरे 1267 को मिला ऑफर लेटर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, लखनऊ द्वारा आयोजित सक्षम जॉब फेयर–2024 का उद्घाटन एस आर ग्रुप के चेयरमैन और एमएलसी पवन सिंह चौहान और अल्ट्राटेक सीमेन्ट के जॉइंट प्रेसिडेंट (टेक्निकल कोलैबोरेशन) अशोक कुमार तिवारी ने किया। जॉब फेयर में 58 राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ जैसे टाटा टेक्नोलॉजीज, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, जस्ट डायल, पिडिलाइट, तनिष्क, जेसीबी, जेबीएम, हर्ष टेक्नोलॉजीज, मदरसन सूमी, ज्ञान डेयरी, आइनॉक्स सॉफ्टवेयर, बैल्को सॉफ्टवेयर दुबई, स्नो फाउंटेन, महेश नमकीन, एचइएमएस इलेक्ट्रिकल आदि ने प्रतिभाग किया, जिसमें कुल 2051 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। आयी हुई कम्पनियों के एचआर मैनेजर और उनकी टीम ने अभ्यर्थियों का उनकी शैक्षिक योग्यता के अनुसार विभिन्न पद पर चयन, लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से किया। कुल 1267 अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर मिला जिसमें औसतन 2.8 से 5 लाख प्रतिवर्ष का आकर्षक वेतन प्रदान किया गया। एस आर ग्रुप के चेयरमैन और एमएलसी पवन सिंह चौहान ने सभी सफल अभ्यर्थियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता कि पहली सीढ़ी है अभी और ऊपर चढ़ते जाना है, जिससे संस्थान और परिवार के नाम का यश फैले। उन्होंने यह भी कहा कि असफल अभ्यर्थी निराश और हताश न हो वे और मेहनत से अपनी तैयारी करें अगली बार उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। संस्थान के वाईस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान ने आये हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

एसटीएफ और वन विभाग के हत्थे चढ़े तस्कर, 676 तोते बरामद

गोरखपुर, संवाददाता। वन विभाग और एसटीएफ ने संयुक्त रूप से तिनकोनिया रेंज के नंदानगर अंडरपास से बुधवार की रात तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके पास से प्रतिबंधित 676 तोते (रोजरिंग पैराकीट) बरामद किए गए। तीनों तस्करों की पहचान राजघाट थाना क्षेत्र के छोटे काजीपुर निवासी रईस अहमद, रायगंज निवासी मोहम्मद इम्तियाज और बिहार पटना के आलमगंज थाना क्षेत्र मिस्का टोला निवासी मंसूर आलम के रूप में हुई। इनका एक साथी शमशाद मौके से फरार हो गया। केस दर्ज कर तीनों न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेजा गया। इन तस्करों में रईस अहमद सरगना है जो अपने गिरोह से बहराइच समेत अन्य जगहों से तोतों को पकड़वाता है। इसके बाद उन्हें पिंजरे में रखकर बिहार के पटना ले जाकर बेचते थे। एक जोड़े तोते के बदले उन्हें 600 रुपये मिलते थे। रईस पहले भी कई बार तस्करी में जेल जा चुका है। डीएफओ विकास यादव के पास वाइल्ड लाइफ कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली से सूचना मिली थी कि गोरखपुर वन प्रभाग क्षेत्र से तोतों की तस्करी की जा रही है। तस्कर बिहार से खाली पिंजरे लेकर पहुंचे हैं। इसके बाद प्राइवेट गाड़ी से तोतों को लेकर बिहार जा रहे हैं।

लखनऊ पब्लिक कालेज, बी–ब्लाक, राजाजीपुरम शाखा के हाईस्कूल के 61 विद्यार्थियों में 05 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक व इण्टर में 61 छात्र–छात्राओं में 08 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यू.पी. बोर्ड हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के वर्ष 2023–24 के परीक्षा परिणाम जारी किये गये। जिसमें लखनऊ पब्लिक कॉलेज, बी–ब्लाक, राजाजीपुरम शाखा के हाईस्कूल के 61 विद्यार्थियों में 05 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक व इण्टर में 61 छात्र–छात्राओं में 08 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

हाईस्कूल में भैरवी मौर्या ने 92.33: अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा आर्ची सिंह 90.67: , आराध्य ईशान तिवारी 90.33: , समीक्षा राजपूत 90.33: और रिया सिंह यादव ने 90.17 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। वहीं इंटरमीडिएट में श्वेता प्रजापति ने 96.60: अंक प्राप्त कर उत्तर प्रदेश में सातवाँ तथा राजधानी में दूसरा स्थान प्राप्त किया साथ ही अंजुल कुमार ने 95.80: अंक प्राप्त कर जिले में छठा स्थान, कोकब ने 95.40: अंक प्राप्त कर जिले में आठवाँ स्थान , सौम्या वर्मा ने 95.20: अंक प्राप्त कर जिले में नवाँ स्थान और आर्यन अस्थाना ने 95: अंक कर जिले में दसवाँ स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर संस्थापक एवं महाप्रबन्धक डॉ. एस.पी. सिंह ने छात्र – छात्राओं, शिक्षकों, एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा यह परीक्षा परिणाम बच्चों के अथक परिश्रम, शिक्षक दृ शिक्षिकाओं के उचित मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के हार्दिक सहयोग से संपन्न हुआ है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि मेरे सभी छात्र–छात्राएं जीवन में सफलता की बुलंदियों पर पहुचें और देश के जिम्मेदार नागरिक साबित हों।

जिला आबकारी विभाग में छापा पांच सौ से अधिक कारवाई हुई आठ आरोपियों पर

अवैध शराब कारोबारियों पर शीघ्र ही विभाग कसेगा शिकंजा – जिला आबकारी अधिकारी

अयोध्या। आबकारी विभाग अवैधा शराब बरामद कर अपना पीठ तो थपथपाने का काम तो कर रही है परंतु इसके मुकाबले इस कारोबार में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने में नाकाम साबित हो रही है ।इसका खुलासा आबकारी विभाग द्वारा एक अप्रैल से पन्द्रह अप्रैल के बीच जिले के सभी पांचों सर्किलों में अवैध शराब कारोबारी पर शिकंजा कसने से हुआ ।आबकारी विभाग के मुताबिक इस माह एक अप्रैल से पन्द्रह अप्रैल के बीच आबकारी विभाग ने कुल 507 जगहों छापे मारकर अलग–अलग सर्किलों में कुल 73 अभियोग दर्ज कराकर 2121 लीटर अवैध शराब बरामद किया ।मजे की बात तो यह है कि वही इस अवैध रुप से संचालित शराब कारोबार में शामिल महज आठ आरोपियों पर ही विभाग द्वारा कार्यवाही की जा सकी ।बताते चलें कि जहां आबकारी विभाग ने बीकापुर,सदर, रुदौली, सोहावल व मिल्कीपुर क्षेत्र से सैकड़ों जगह पर छापा मारकर दो हजार से अधिक अवैध शराब बरामद कर सत्तर से अधिक अभियोग दर्ज कराये है ।जबकि गिरफ्तारी महज आठ ही है ।जो कि हास्यास्पद स्थिति उत्पन्न हो रही है।

देखा जाए तो आबकारी विभाग के कर्मियों ने सोहावल क्षेत्र में 110 जगह पर छापा मारकर 14 अभियोग दर्ज कराकर 507 लीटर अवैध शराब बरामद कर सबसे अधिक 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई किया है ।मिल्कीपुर क्षेत्र में 117 जगह आबकारी विभाग के कर्मियों ने छापामार कर 15 अभियोग दर्ज कराकर 402 लीटर अवैध शराब बरामद कर 03 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई किया ।बीकापुर क्षेत्र में आबकारी विभाग ने 98 जगह छापामार कर 17 अभियोग दर्ज कराकर 430 लीटर अवैध शराब बरामद कर 01 आरोपी के खिलाफ कार्रवाई किया ।सोहावल मे 92, जगहों पर आबकारी विभाग द्वारा छापामार 14 अभियोग दर्ज कराकर 375 लीटर अवैध शराब बरामद किया ।रुदौली क्षेत्र में आबकारी विभाग द्वारा 90 जगह पर छापा मारकर 13 अभियोग दर्ज कराकर 407 लीटर अवैध शराब बरामद किया ।इस संबंध में जिला आबकारी अधिकारी जीतेन्द्र सिंह ने बताया कि जिले में सक्रिय अवैध शराब से जुड़े कारोबारियों पर आबकारी विभाग शिकंजा कसने जा रहा है ।शीघ्र ही इन कारोबारियों पर शिकंजा कसने के लिए आबकारी विभाग के कर्मियों के बैठक कर रणनीति बनाई जाएगी ।उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य सिर्फ अवैध रुप से शराब पर रोक ही नहीं लगाना है बल्कि इसमें शामिल आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करना है।

कोतवाली अयोध्या की पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे पांच शातिरो को किया गिरफ्तार’

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। अयोध्या कोतवाली पुलिस ने डकैती की योजना बनाते महाराष्ट्र के निवासी पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अयोध्या कोतवाल मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि लक्ष्मणघाट व नयाघाट चौकी पुलिस की संयुक्त टीम ने साकेत पेट्रोल पंप के पास स्थित खाली मैदान के पीपल पेड़ के पास से एक बोलेरो सवार पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए लोगों ने अपना नाम पता परेश कुमार सोलंकी निवासी एलआईजी एमआईजी कॉलेज गांव देवी रोड थाना विद्या विहार, जिला कुर्ला, मुंबई, प्रवीण जगदीश मैसडे निवासी न्यू रोड, थाना कुर्ला, मुंबई,हुमुक सिंह राज सिंह माठी निवासी रस्क्षक नगर फेस दो खराड़ी थाना चंदननगर जिला पुणे, विनोद चौहान निवासी खराड़ी सिरे बस्ती काडोवाईनगर, गली नंबर छह थाना खराड़ी जिला पुणे और मनोज भगत निवासी गौरीशंकर मार्ग मंदिर कुर्ला, मुंबई बताया है। यह लोग लवकुशनगर में किसी के यहां डकैती डालने के लिए योजना बना रहे थे। इनके पास से पुलिस ने दो तमंचा कारतूस, वारदात में प्रयुक्त उपकरण प्लस, सब्बल आदि तथा कुल 1300 रुपये बरामद किए हैं। चौकी प्रभारी जगन्नाथ मणि त्रिपाठी ने पांचों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शिक्षक संदर्शिकाओं के लेखन मण्डल में अयोध्या से डा. अम्बिकेश भी शामिल

अयोध्या। राज्य परियोजना कार्यालय के समग्र शिक्षा एवं प्रथम फाउंडेशन के सहयोग से महानिदेशक, उत्तर प्रदेश स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कंचन वर्मा की संकल्पना के मुताबिक वरिष्ठ गुणवत्ता विशेषज्ञ आनंद कुमार पाण्डेय और पी एम अंसारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता के सहयोग एवं समन्वयन से विषय विशेषज्ञ गणित जय प्रकाश ओझा के निर्देशन में कक्षा 4 और कक्षा 5 की गणित विषय की शिक्षक संदर्शिका का निर्माण उत्तर प्रदेश के सभी प्राथमिक शिक्षकों के लिए किया गया है ।इन शिक्षक संदर्शिकाओं के लेखन मण्डल में अयोध्या के राज्य संदर्भ समूह के सदस्य डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी भी शामिल हैं। इन शिक्षक संदर्शिकाओं के निर्माण का उद्देश्य सभी बच्चों को सीखने सिखाने में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा की अनुशंसा के आधार पर सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए उनमें तार्किक ढंग से सोचने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और स्वयं से करके सीखने की क्षमता का विकास करना है। शिक्षक संदर्शिकाओ में विस्तार से शिक्षण योजनाओं का निर्माण लर्निंग आउटकम्स के आधार पर किया गया है। सत्र 2024–25 में उत्तर प्रदेश के सभी प्राथमिक शिक्षक इन्हीं शिक्षक संदर्शिकाओं में दी गई शिक्षण योजनाओं का उपयोग बच्चों को उत्कृष्ट एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए करेंगें।

यमुनापार में आग से 50 बीघे फसल जलकर खाक, घंटो मशक्कत के बाद आग पर मिला काबू

प्रयागराज, संवाददाता। बारा तहसील में दोपहर में आग लगी की घटना से एक साथ तीन गांवों के किसानों की फसल खाक हो गई। तहसीलदार बारा की सूझबूझ से गांव को बचा लिया गया किन्तु किसानों की फसल जल कर खाक हो गई। बारा थाना क्षेत्र के हर्रो गांव के किसी किसान ने अपने खेत की गेहूं की फसल को हार्वेस्टर से कटवा लिया था। शुक्रवार को दोपहर में उसमें आग लगा दी। हवा तेज होने के चलते आग इतनी भयावह हो गई कि डांड़ो होते हुए कौंधियारा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मझियारी के मजरा बघोलवा तक पहुंच गई। इस दौरान हर्रो,डांड़ो और बघोलवा के बीच लगभग 50 बीघा गेहूं जल कर राख हो गया ।आग की लपट देखते ही ग्रामीण सहम गए और खेतों की ओर दौड़े किंतु बिजली कटी होने के कारण किसान पानी की मोटर भी नहीं चला पाए। शुरू में अग्नि शमन की छोटी गाड़ी मौके पर पहुंची किंतु उसमें पानी पर्याप्त नहीं था। किसानों ने इसकी जानकारी विधायक बारा को दिया। विधायक बारा डाक्टर वाचस्पति द्वारा विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी गई ।इस बीच तहसीलदार बारा, कौंधियारा, बारा, शंकरगढ़ की पुलिस टीम और अग्निशमन विभाग से बड़ी गाड़ी मौके पर पहुंची। प्रशासन और ग्रामीणों ने अथक परिश्रम कर आग पर काबू पाया ।बारा क्षेत्र के डांड़ो गांव में लगी आग ने इतना भयावह रूप ले लिया था कि उसकी लपटें गांव की ओर बढ़ने लगी थी। इस समय तहसीलदार बारा गणेश सिंह ने खेत के बजाय गांव की ओर बढ़ रही आग को पहले बुझाने का निर्देश दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।